

## अमित मालवीया ने राहुल की स्मृति ईरानी के मुतल्लिक की गई टिप्पणी को झूठा व सहानुभूति बटोरने का प्रयास बताया

रेणु मिश्र-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 12 जुलाई। अमेठी के चाव अभी भरे नहीं हैं और राहुल गांधी तर्क और शान्ति के स्वर में बोल रहे हैं। एक ट्वीट में राहुल गांधी ने कहा है - "जीत और हार तो जीवन में होती ही रहती है।"

"मेरा सभी लोगों से कहना है कि हार-जीत को लेकर स्मृति ईरानी या अन्य किसी नेता के लिये अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने तथा अप्रिय (शब्दों का प्रयोग करने) से बचें।"

"लोगों को नीचा दिखाना तथा उन्हें अपमानित करना कमजोरी की निशानी है, ताकत की नहीं।" अमेठी से लोकसभा चुनाव हार जाने के बाद, स्मृति ईरानी ने लुटियन्स दिल्ली, का मन्त्रियों वाला अपना सरकारी बैंगला कल खाली कर दिया। सोशल मीडिया पर उन्हें बहुत ज्यादा टोल किया गया। ऐसा करने वाले ज्यादातर कांग्रेसजन तथा राहुल के प्रति सहानुभूति रखने वाले लोग थे।

इस ट्वीटिंग की प्रतिक्रिया में राहुल गांधी ने यह ट्वीट किया। भाजपा के अलावा हर व्यक्ति द्वारा राहुल गांधी के इस ट्वीट को उनकी

■ "एक तरफ तो कांग्रेस ने स्मृति ईरानी को तंग करने के लिये, पीछा करने के लिये सोशल मीडिया पर, कांग्रेस समर्थकों की भीड़ छोड़ रखी है, दूसरी ओर राहुल गांधी सहानुभूति दिखाते हुए ट्वीट करते हैं।"

■ अमित मालवीया कुछ भी कहें, पर, राहुल गांधी की टिप्पणी को भारी समर्थन मिला, आम जनता से तथा यह राउण्ड निःसंदेह राहुल गांधी के पक्ष में गया है।

■ स्मृति ईरानी ने लुटियन्स दिल्ली का सरकारी बंगला, जो उन्हें निवास हेतु आवंटित था, आज खाली कर दिया।

■ राहुल, एक दूसरे को नीचा दिखाने की इस प्रवृत्ति के युद्ध में विजयी नज़र आए, अपना बड़प्पन दिखाकर। क्योंकि, 2019 में जब राहुल गांधी अमेठी संसदीय चुनाव, स्मृति ईरानी के मुकाबले में हार गये थे तो उनकी बहुत खिल्ली उड़ायी गयी थी तथा राहुल गांधी को कभी न जीत सकने वाला पप्पू व राजनीति में कुछ हासिल ना करने की क्षमता रखने वाला अयोग्य राजनीतिज्ञ बताया था।

सदभावना व उदारता के रूप में देखा जा रहा है। पर भाजपा राहुल गांधी की आलोचना कर रही है।

एक दूसरे को नीचा दिखाने के इस खेल में, राहुल गांधी एक सहिष्णु स्वर के रूप में उभरे हैं, जबकि भाजपा उस

समय अपनी खुशी एवं उत्साह को नहीं छुपा सकी थी, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी अमेठी सीट पर स्मृति ईरानी से हार गए थे।

उस समय राहुल का भारी मज़ाक उड़ाया गया था तथा उन्हें पराजित एवं

"नॉन परफॉर्मर" बताया गया था। पर 2024 में स्थितियाँ उलट गई हैं। राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़े, जबकि गांधी परिवार के एक समर्थक के.एल. शर्मा ने अमेठी से स्मृति ईरानी को हार दिया।

स्मृति ईरानी की हार का उत्सव भाजपा कार्यकर्ताओं तक ने मनाया था, जिसका कारण सम्भवतः ईरानी की हेकड़ी एवं अहंकार था।

भाजपा राहुल के इस ट्वीट से असहज दिखाई दे रही है। अमित मालवीया ने तो इसे एक कपटपूर्ण मैसेज की संज्ञा दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने स्मृति ईरानी, जिन्होंने राहुल गांधी को अमेठी छोड़ने के लिये मजबूर कर दिया था, के खिलाफ पार्टी के लोग भेड़ियों के शून्ड की तरह खुले छोड़ रखे थे।

इस बार, मन, वचन और कर्म-सब कुछ राहुल गांधी के पक्ष में रहा है तथा उन्होंने, इस तथा अन्य मुद्दों पर, भाजपा के उन्माद (हिस्टीरिया) के प्रदर्शन के बजाय, एक धीरे-गम्भीर परिपक्व व्यक्ति की तरह व्यवहार किया है।

### 'हैडलाइन बटोरने की कवायद'

-सतीश मिश्रा-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 12 जुलाई। कांग्रेस ने आज मोदी सरकार की 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में घोषित करने की कड़ी आलोचना की और इस कदम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा "समाचारों की सुखियाँ बटोरने का एक पाखंड" बताया है।

कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस घोषणा के बाद आई है कि सरकार ने 25 जून, जिस

■ कांग्रेस ने, मोदी सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करने पर उक्त टिप्पणी की और कहा कि भविष्य में चार जून को "मोदी मुक्ति दिवस" मनाया जाएगा।

दिन वर्ष 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी, जो 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है, ताकि उन लोगों को "विशाल योगदान" को याद किया जा सके जिन्होंने उस अवधि के दौरान अमानवीय कठों को सहन किया था। कांग्रेस महासचिव (प्रभारी, सूचना) जयराम रमेश ने इस पर तंज कसा कि "अब यह "नॉन बायोलॉजिकल" प्रधानमंत्री के द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

### 25 जून, संविधान हत्या दिवस घोषित

- सतीश मिश्रा -  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 12 जुलाई। देश के आम चुनावों में चुनावी नुकसान के बाद कांग्रेस के प्रति प्रतिशोधालम्बक कार्यवाही करते हुए मोदी सरकार ने आज एक अधिसूचना जारी कर 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" के रूप में मनाने की घोषणा की, वर्ष 1975 में इसी दिन आपातकाल घोषित किया गया था।

इसकी शुरुआत के बारे में घोषणा करते हुए, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विशेष रूप से कांग्रेस का उल्लेख करते

■ केन्द्रीय गृह मंत्री ने विशेष रूप से कांग्रेस का उल्लेख करते हुए यह घोषणा की। इस संबंध में शुक्रवार को गजट अधिसूचना जारी की गई।

हुए कहा कि "संविधान हत्या दिवस" को मनाने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता की शाश्वत लौ ज्वलंत बनाए रखने में तथा प्रत्येक भारतीय के भाव जीवित बनाए रखने में मदद मिलेगी, इस प्रकार से कांग्रेस जैसी तानाशाही वाली ताकतों को "दुबारा भयाक्रांत" करने से रोका जा सकेगा। केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि आपातकाल की घोषणा 25 जून, 1975 को की गई थी, परिणामस्वरूप उसके बाद के दिन से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## 'राजनीति में हार-जीत तो लगी ही रहती है'

राहुल गांधी ने ट्वीट कर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व नेताओं से अपील की कि स्मृति ईरानी के लिये ओछी भाषा का उपयोग न करें और न ही गंदी व चुभने वाली टिप्पणियाँ लिखें

-डॉ. सतीश मिश्रा-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 12 जुलाई। प्रतिशोध और कलह से भरे हुये राजनीतिक दौर में एक दुर्लभ भाव-भंगिमा का परिचय देते हुये, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की है कि वे पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के प्रति "अप्रिय" टिप्पणी करने से बचें।

ज्ञातव्य है कि स्मृति ईरानी ने 2019 में अमेठी सीट पर राहुल को 55,000 वोटों से हराया था तथा उसके बाद, इस साल हुये आम चुनाव में वे गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा से 1.61 लाख से अधिक वोटों से हार गई थीं। उल्लेखनीय है कि शर्मा का यह पहला ही चुनाव था।

राहुल गांधी की इस सद्भावनापूर्ण मुद्रा का महत्व इस तथ्य के चलते और बढ़ जाता है कि 2019 में ईरानी ने उन पर कटाक्ष करते हुये कहा था कि "भाजपा की एक साधारण कार्यकर्ता ने गांधी परिवार का बोहरा-विस्तर गोल कर दिया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आज की राजनीति के संकीर्ण तथा अंध भक्ति वाले स्तर से ऊपर उठ कर विपक्ष के नेता ने अपने शब्दों के द्वारा एक बड़ी

■ स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार के पुराने वफादार किशोरी लाल शर्मा को कांग्रेस द्वारा अमेठी में उम्मीदवार बनाने पर, कहा था कि यह घटना सबूत है कि कांग्रेस ने अमेठी में हार स्वीकार कर ली, मतदान से पहले ही।

■ राहुल गांधी के रायबरेली व वायनाड से चुनाव लड़ने पर, स्मृति ईरानी ने कहा था, यह दूसरी बार है कि राहुल गांधी अमेठी से भागे हैं। वे पहली बार 2019 में भी अमेठी से हार कर भाग गये थे।

■ 2019 की जीत के बाद, स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार पर व्यंग कसा था कि "भाजपा के एक साधारण कार्यकर्ता ने गांधी परिवार को, सामान पैक करके, घर जाने को मजबूर कर दिया है।"

रेखा खींच दी है और उनके ये शब्द उनके आचरण एवं व्यवहार से मेल खा रहे हैं। आज "एक्स" पर ट्वीट करते हुये गांधी, जो इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, ने लिखा है, "जीत और हार" तो जीवन में होती रहती है। मैं प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह करता हूँ कि स्मृति ईरानी या किसी भी अन्य नेता के प्रति अपमानजनक भाषा तथा अप्रिय शब्दों का प्रयोग न करें।

यहाँ यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी

इस अपील के पीछे कौन सी विशिष्ट घटना रही, लेकिन राहुल गांधी की यह अपील उनके इस रूख के अनुरूप ही है कि वे राजनीति के एक वैकल्पिक अर्थात् भिन्न ब्राँड के पक्षधर हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि घृणा एवं द्वेष के इस वातावरण में "मोहब्बत की दुकान" खोलना चाहते हैं।

चुनावों से पहले यह चर्चा जोरों पर थी कि राहुल गांधी 2024 के अपने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## रीट पेपर लीक के मास्टर माइंड ने कई राज उगले

आरोपी हनुमान मीणा ने पुलिस को बताया कि उसने रीट, लिपिक, पटवारी व एस.आई. परीक्षा में डमी प्रत्याशी बिठाए थे

टोंक, 12 जुलाई (नि.सं.)। रीट परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने कोटा में तैनात रहे राजस्वकर्मी और टोंक जिले के बिलौला गांव के निवासी हनुमान मीणा को चार दिन के रिमांड पर लेकर कई राज उगलाए हैं।

जानकारी के अनुसार, हनुमान मीणा ने टोंक में बिलौला निवासी राम लाल मीणा की जगह डमी कैंडिडेट की व्यवस्था की थी, जिसे लेकर टोंक में प्रकरण भी दर्ज हुआ। एस.ओ.जी. पिछले चार दिनों से इस मामले में पूछताछ कर रही है, जिसमें सामने आया है कि उसने रीट ही नहीं बल्कि लिपिक, पटवारी और एस.आई. भर्ती परीक्षा में भी डमी कैंडिडेट बैठाया है।

जांच अधिकारी द्वारा दस्तावेज जांच के दौरान फर्जीबाड़ी सामने आने के बाद आर.पी.एस.सी. के अनुभाग

■ हनुमान मीणा ने टोंक में बिलौला निवासी रामलाल मीणा की जगह डमी प्रत्याशी बिठाया था।

■ रामलाल मीणा की गिरफ्तारी के बाद हनुमान मीणा की भूमिका सामने आई और पुलिस ने उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की।

अधिकारी ने अजमेर के सिविल लाइन्स थाने में ज़ीरो एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी, जिसका प्रकरण टोंक जिला मुख्यालय स्थित कोतवाली थाने में दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी रामलाल मीणा की गिरफ्तारी होने के बाद हनुमान मीणा की भूमिका का भी खुलासा हुआ था। जांच अधिकारी और ए.एस.पी. गीता चौधरी ने बताया कि दर्ज प्रकरण को लेकर रिमांड पर चल रहे हनुमान मीणा का जालौर व सांचौर कनेक्शन भी सामने आया है। रामलाल के लिए जिस डमी कैंडिडेट को टोंक

के दरबार स्थित परीक्षा केंद्र पर बिठाया गया था, वह सांचौर का रहने वाला प्रवीण विश्वासी था। यह भी खुलासा हुआ है कि प्रवीण विश्वासी के लिये बिचौलिये का काम जालौर निवासी महेंद्र विश्वासी ने किया था। आरोपी हनुमान मीणा की 4 दिन की रिमांड खत्म होने के बाद सी.जे.एम. कोर्ट में पेश किया गया था, जहाँ कोर्ट ने उसे पुनः चार दिन की रिमांड पर भेज दिया। गौरतलब है कि एस.ओ.जी. ने हनुमान मीणा की गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

### लोक अदालत का आयोजन आज

जयपुर, 12 जुलाई (का.सं.)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट सहित प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया

■ राजस्थान हाई कोर्ट एवं अधीनस्थ न्यायालयों में शनिवार को लोक अदालत लगेगी। इसका उद्घाटन सुबह दस बजे हाई कोर्ट में होगा। लेकिन हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने की घोषणा की है।

जाएगा। लोक अदालत का शुभारंभ राजस्थान हाईकोर्ट में सुबह दस बजे किया जाएगा। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इस शुभारंभ कार्यक्रम का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## भाजपा नेता यासीन खान पर सड़क के बीचों बीच जानलेवा हमला

गंभीर रूप से घायल यासीन की इलाज के दौरान एस.एम.एस. अस्पताल में मौत हो गई

■ घटना कोटपूतली-बहरोड़ जिले के विजयपुरा गांव की है जहाँ बीच सड़क पर बदमाशों ने यासीन की कार रूकवा कर उन्हें बाहर खींच लिया और उनके साथ मारपीट की।

■ बदमाशों की संख्या लगभग 12 थी, वे थार और बोलरो में आए थे और उनके पास कुल्हाड़ी व अन्य धारदार हथियार थे।

■ यासीन को बदमाश इतनी बुरी तरह पीट रहे थे कि यासीन के साथ गाड़ी में मौजूद उनके दो साथी, भाजपा नेता परमेश्वर शर्मा व वकील जितेंद्र शर्मा भी उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं कर पाए।

■ यासीन को अथमरी हालत में छोड़कर बदमाश भाग गए और यासीन के साथियों ने उन्हें एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ इलाज के दौरान यासीन ने दम तोड़ दिया।

■ मृतक यासीन का ट्रांसपोर्ट का बिज़नेस है और वे पिछले 20 साल से भाजपा में हैं।



अलवर के भाजपा नेता यासीन खान पर जानलेवा हमला, एस.एम.एस. अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

उनके दो साथी भी उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं कर पाए। बदमाशों ने खान को करीब 15 से 20 मिनट तक बेरहमी से पीटा। इस दौरान उन्होंने हाथ-पैर और कमर पर कई वार किए जिससे वहाँ की हड्डियाँ टूट गईं। यासीन गंभीर रूप से घायल हो गए तब हमलावर यासीन को वहाँ छोड़कर फरार हो गए। घायल यासीन को उनके साथी जयपुर के सवाई मानसिंह (एस.एम.एस.) हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस बारे में अभी तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। हालांकि, इस घटना के बाद पुलिस बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। यासीन का ट्रांसपोर्ट का बिज़नेस है और वे पिछले 20 साल से भाजपा से जुड़े हुए थे।

स्थानीय निवासियों के अनुसार 23 नवंबर 2023 को यासीन के भतीजे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ अतिरिक्त जिला न्यायालय ने राजमाता गायत्री देवी के पौत्र देवराज व पौत्री लालित्या को पाबंद किया है कि वे लिलीपूल को ना तो बेच सकते हैं ना गिरवी रख सकते हैं।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता रामजी लाल गुप्ता ने बताया कि लिलीपूल परिसर प्राथी रामबाग पैलेस होटल प्रा.लि. का है और लाइसेंस डीड के अनुसार इस संपत्ति का स्वामित्व प्राथी कंपनी को मिला हुआ है। यहाँ तक की पूर्व राजमाता गायत्री देवी की इसके उपयोग के बदले मासिक तीन हजार रुपए बतौर लाइसेंस फीस अदा करती थीं। गायत्री देवी की मृत्यु के बाद देवराज और लालित्या ने लिलीपूल पर अवैध कब्जा कर लिया है। अब वे दोनों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)